प्रश्न –पत्र का प्रारूप

कक्षा– 12 विषय– हिन्दी अनिवार्य अवधि– 3.15 मिनट पूर्णांक – 80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार –

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	14	17.5%
2.	अवबोध / अर्थग्रहण	26	32.5 %
3.	ज्ञानोपयोग / अभिव्यक्ति	26	32.5 %
4.	कौशल / मौलिकता	14	17.5 %
	योग	80	100 %

2. प्रश्नों के प्रकार एवं अंकभार –

क्र.सं.	प्रश्नों के प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक	प्रतिशत	सम्भावित समय
1.	वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पात्मक	–	–	–	–	–
2.	अतिलघूत्तरात्मक	08	01	08	10 %	12 मिनट
3.	लघूत्तरात्मक I	14	02	28	35 %	50 मिनट
4.	लघूत्तरात्मक II	06	03	18	22.5 %	36 मिनट
5.	निबंधात्मक	06	5x4=20 1x6=06	26	32.5 %	72 मिनट
	योग			80	100 %	170 मिनट

विकल्प योजना : आन्तरिक

पुनरावलोकन –10मिनट

प्रश्न पत्र पढ़ना –15 मिनट

कुल – 195 मिनट

3. विषय वस्तु का अंकभार –

क्र.सं.	इकाई	अंकभार	प्रतिशत
1.	अपठित बोध (खण्ड– I)	8	10 %
2.	व्यावहारिक व्याकरण एवं रचना (खण्ड–2)	16	20 %
3.	सृजन (पाठयपुस्तक प्रथम) (खण्ड–3)	32	40 %
4.	पीयूष प्रवाह (पाठयपुस्तक द्वितीय) (खण्ड–4)	12	15 %
5.	संवाद सेतु (पाठयपुस्तक) (खण्ड–5)	12	15 %
	योग	**80**	**100 %**

मॉडल प्रश्न पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट

कक्षा–12 विषय :–हिन्दी अनिवार्य अवधि– 3.15 मिनट पूर्णाक :– 80

क्र.सं.	उद्देश्य इकाई / उप इकाई	ज्ञान				अवबोध				ज्ञानोपयोगी / अभिव्यक्ति				कौशल / मौलिकता				योग
		अति लघु	लघु.		निबं	अति लघु	लघु.		निबं	अति लघु	लघु.		निबं	अति लघु	लघु.		निबं	
			SA1	SA2			SA1	SA2			SA1	SA2			SA1	SA2		
1.	खण्ड–1 अपठित बोध	–	–	–	–	–	4(2)	–	–	–	4(2)	–	–	–	–	–	–	8(4)
2.																		
3.	खण्ड–2 व्यावहारिक व्याकरण एवं रचना	6(6)	–	–	–	–	4(2)	–	–	–	–	–	–	–	2(1)	–	4(1)	16(10)
4.	खण्ड–3 पाठ्यपुस्तक सृजन (प्र.पुस्तक)	2(2)	–	–	–	–	–	6(2)	–	–	2(1)	6(2)	8(2)*	–	–	–	8(2)*	32(11)
5.	खण्ड–4 पाठ्य पुस्तक , पीयूष प्रवाह (द्वि.पुस्तक)	–	–	–	–	–	6(3)	–	–	–	–	–	6(1)*	–	–	–	–	12(4)
6.	खण्ड–5 संवाद सेतु	–	6(3)	–	–	–	–	6(2)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	12(5)
7.	**योग**	**8(8)**	**6(3)**	**–**	**–**	**–**	**14(7)**	**12(4)**	**–**	**–**	**6(3)**	**6(2)**	**14(3)**	**–**	**2(1)**	**–**	**12(3)**	**80(34)**
8.	**कुल योग**	**14(11)**				**26(11)**				**26(8)**				**14(4)**				**80(34)**

विकल्पों की योजना :–

नोट :– कोष्ठक में बाहर की संख्या अंको की तथा भीतर प्रश्नों के लिए है।

उप प्रश्न संख्या – 34 कुल प्रश्न संख्या – 20

आन्तरिक विकल्प प्रश्न सख्या 1,3,7,8,9,10,14 एवं 15 में है।

हस्ताक्षर

उच्च माध्यमिक परीक्षा–2018

<u>नमूने का प्रश्न–पत्र</u>

कक्षा–12

विषय – हिंदी अनिवार्य

अनुक्रमांक ☐☐☐☐☐☐☐☐

अवधि– 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक– 80 अंक**

खण्ड – 1

निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (उत्तर सीमा 20 से 30 शब्द)

अहंकार, क्रोध या द्वेष हमारे मन की बाधक प्रवृत्तियाँ हैं। यदि हम इनको बेरोक–टोक चलने दें, तो निःसंदेह वह हमें नाश और पतन की ओर ले जाएगी, इसलिए हमें उनकी लगाम रोकनी पड़ती है, उन पर संयम रखना पड़ता है, जिससे वे अपनी सीमाओं से बाहर न जा सकें। हम उन पर जितना कठोर संयम रख सकते है, उतना ही मंगलमय हमारा जीवन हो जाता है।

किंतु नटखट लड़कों से डाँटकर कहना– तुम बड़े बदमाश हो, हम तुम्हारे कान पकड़कर उखाड़ लेंगे– अक्सर व्यर्थ ही होता है। बल्कि उस प्रवृत्ति को और हठ की ओर ले जाकर पुष्ट कर देता है। जरूरत यह होती है कि बालक में जो सद्वृत्तियाँ हैं, उन्हें ऐसा उत्तेजित किया जाए कि दूषित वृत्तियाँ स्वाभाविक रूप से शांत हो जाए। इसी प्रकार मनुष्य को भी संयम के लिए आत्म विश्वास की आवश्यकता होती है। साहित्य ही मनोविकारों के रहस्य को खोलकर सद्वृत्तियों को जगाता है। सत्य के रसों द्वारा हम जितनी आसानी से प्राप्त कर सकते हैं, ज्ञान और विवेक द्वारा नहीं कर सकते। उसी भाँति जैसे दुलार पुचकार कर बच्चों को जितनी सफलता से वश में किया जा सकता है, डाँट–फटकार से संभव नहीं। साहित्य मस्तिष्क की वस्तु नहीं, हृदय की वस्तु है। जहाँ ज्ञान और उपदेश असफल होता है, वहाँ साहित्य बाजी मार ले जाता है।

प्रश्न 1. हमारा जीवन मंगलमय कब हो जाता है? 2

प्रश्न 2. ''साहित्य हृदय की वस्तु है'' कैसे 2

निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (उत्तर सीमा 20–30 शब्द)

धर कर चरण विजित शृगों पर
झण्डा वही उड़ाते है,
अपनी ही उँगुली पर जो
खंजर की जंग छुड़ाते है।
पड़ी समय से होड़
खींच मत तलवों से काँटें रूककर,
फूँक–फूँक कर चलती न जवानी
काँटों से बचकर, झुककर।
नींद कहाँ उनकी आँखों में,
जो धुन के मतवाले हैं।
गति की तृष्णा और बढ़ती है,
पड़ते जब पग में छाले है।
जागरूक की जय निश्चित है,
हार चुके सोने वाले।
लेना अनल किरीट भाल पर,
ओ! आशिक होने वाले।

प्रश्न 3. कवि के अनुसार ''गति की तृष्णा'' से क्या अभिप्राय है और वह कब बढ़ती है? 2

प्रश्न 4. कवि ने जवानी की क्या विशेषता बताई है। 2

खण्ड – 2

प्रश्न 5. निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में दीजिए।

(क) भाषा के कौन से दो रूप होते हैं? 1

(ख) व्याकरण किसे कहते हैं? 1

प्रश्न 6. रेखांकित शब्दों का पद परिचय दीजिए।

(क) यह सुन्दर खिलौना मुझे दो। 1

(ख) रवि बहुत भाग्यशाली है। 1

प्रश्न 7. अभिधा व लक्षणा शब्द शक्ति में अन्तर बताइए। 2

प्रश्न 8. विरोधाभास अलंकार को उदाहरण सहित समझाइए। 2

प्रश्न 9. निम्नलिखित शब्दों में अर्थ लिखिए। 2

(क) Abalition

(ख) Census

प्रश्न 10. जिला कलैक्टर, उदयपुर की ओर से राजस्व सचिव राजस्थान सरकार को स्वच्छता अभियान हेतु बजट स्वीकृति जारी करने हेतु सरकारी पत्र लिखिए। 2

प्रश्न 11. निम्न विषयों में से किसी एक पर लगभग 300 शब्दों में सारगर्भित निबंध लिखिए– 4

(क) राष्ट्रनिर्माण में युवा पीढ़ी की भूमिका

(ख) राजस्थान में पर्यटन की सम्भावनाएँ

(ग) इंटरनेट : सूचना एवं ज्ञान का भण्डार

(घ) मेरी प्रिय पुस्तक

खण्ड – 3

प्रश्न 12. निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 4

जाति न पूछो साधु की पूछि लीजिए ज्ञान।
मोल करो तलवार का, पड़ा रहन दो म्यान।।
संगत कीजै साधु की कभी न निष्फल होय।
लौहा पारस परस ते, सो भी कंचन होय।।

अथवा

आखिरकार वही हुआ जिसका मुझे डर था
जार जबरदस्ती से
बात की चूड़ी मर गई
और वह भाषा में बेकार घूमने लगी।
हार कर मैंने उसे कील की तरह
उसी जगह ठोक दिया।

प्रश्न 13. निम्न गद्यांश की सप्रंसग व्याख्या कीजिए।

''भय'' नामक मनोविकार दुःखात्मक संवर्ग का भाव है। मनुष्य जीवन में प्राणि जगत की सत्ता में सुख और दुःख मूल आधार हैं, मूल प्रवृत्ति है। शुक्ल जी ने इस विचार–प्रधान निबंध में भय की अनुभूति को लोक व्यवहार की दृष्टि से बड़ी सूक्ष्मता और विशदता से स्पष्ट किया है जिस पर अपना वश न हो ऐसे कारण से पहुँचने वाले भावी अनिष्ट के निश्चय से जो दुःख होता है, वह भय कहलाता है। छोटे बालक को, जिसमें यह निश्चयात्मिका बुद्धि नहीं होती, भय कुछ भी नहीं होता। जब हमारी इंन्द्रियाँ दूर से आने वाली क्लेश कारिणी बातों का पता देने लगती है, तब हमारा अंतःकरण भावी आपदा का निश्चय कराने लगता है, तब हमारा काम दुःख मात्र से

नहीं चल सकता है, बल्कि भागने या बचने की प्रेरणा करने वाले भय से चल सकता है।

अथवा

बाजार में एक जादू है। वह जादू आँख की राह काम करता है। वह रुप का जादू है पर जैसे चुम्बक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है। जेब भरी हो और मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है। जेब खाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा। मन खाली है तो बाजार की अनेकानेक चीजों का निमंत्रण उस तक पहुँच जाएगा। कहीं हुई उस वक्त जेब भरी तब जो फिर वह मन किसकी मानने वाला है। मालूम होता है यह भी लूँ, वह भी लूँ। सभी सामान जरुरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है। पर यह सब जादू का असर है।

प्रश्न 14. ''किसान का जीवन त्याग और मेहनत का जीवन है।'' इस कथन पर अपने विचार लिखिए।

अथवा

पर्वतीय क्षेत्रों के प्राकृतिक सौंदर्य पर एक लेख लिखिए। (शब्द सीमा–100)

प्रश्न 15.शमशेद बहादुर सिंह की 'ऊषा' कविता का प्रकृति वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

अथवा

'मेरा नया बचपन' कविता की मूल संवेदना लिखिए। (शब्द सीमा–100)

निम्न प्रश्नों का उत्तर 40 से 60 शब्दों में दीजिए।

प्रश्न 16. सूरदास के पदों की काव्यगत विशेषता लिखिए।

प्रश्न 17. 'जगत के चतुर चितेरे को भी मूढ़ बनना पड़ा'

बिहारी ने ऐसा क्यों कहा है?

प्रश्न 18. इंग्लैण्ड में विरोधी पक्ष के लिए क्या–क्या सहूलियत व सुविधाएँ है? 'सफल प्रजातंत्र के लिए आवश्यक शर्ते' पाठ के आधार पर बताइए।

प्रश्न 19. 'मैं और मैं' पाठ के आधार पर बताइए हमारा हमारे प्रति क्या अधिकार है?

प्रश्न 20. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में दीजिए।

हरिवंश राय बच्चन की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।

प्रश्न 21. 'ममता' कहानी के लेखक कौन है?

प्रश्न 22. कवि 'भूषण' अथवा लेखक 'उपेन्द्रनाथ अश्क' का साहित्यिक परिचय संक्षेप में लिखिए। (शब्द सीमा 20–40)

खण्ड – 4

प्रश्न 23.निम्न चार में से तीन प्रश्नों का उत्तर 20 से 30 शब्दों में दीजिए।

(क) 'उसने कहा था' कहानी के आधार पर सूबेदारनी के चरित्र की कोई दो विशेषताएँ

लिखिए।

(ख) गाँधीजी के अनुसार आत्मा के विकास का क्या अर्थ है?

(ग) गौरा को मृत्यु से बचाने के लिए महादेवी जी ने क्या–क्या प्रयास किए?

(घ) सूरजमल की राष्ट्रीय भावना से सम्बंधित किसी एक घटना का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 24. ''रत्नावली का चरित्र आदर्श भारतीय नारी का प्रतिबिम्ब है।'' पाठ में आए घटनाक्रम के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अजंता ऐलोरा व ऐलीफेण्टा की गुफाओं के सौंदर्य का वर्णन पाठ के आधार पर कीजिए।

खण्ड – 5

प्रश्न 25. रेडियो के लिए समाचार लेखन में किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

प्रश्न 26. सम्पादकीय क्या है?

प्रश्न 27. साक्षात्कार कितने प्रकार के होते है?

(प्रश्न सं. 28 से 29 के उत्तर की शब्द सीमा 40–60 है।)

प्रश्न 28. रिपोर्ट ओर रिर्पोताज में क्या अंतर है?

प्रश्न 29. खेल पत्रकारिता पर एक टिप्पणी लिखिए।

उत्तर तालिका – हिन्दी

प्रश्न संख्या	अपेक्षित उत्तर	खंडवार अंक	अंक	पाठ्य पुस्तक की संख्या
1.	जब हम अहंकार, क्रोध व द्वेष जैसी दुःप्रवृत्तियों पर संयंत्र रखते है। भाव वाले उत्तर स्वीकार्य।	–	2	–
2.	साहित्य मनुष्य की सद्‌वृत्तियों को जगाता है। अहंकार, क्रोध व द्वेष जैसे मनोभावों को उद्वेलित करता है। अतः साहित्य ह्‌दय की वस्तु है। (सम्बन्धित भाव वाले उत्तर स्वीकार्य)	–	2	–
3.	'गति की तृपणा' से अभिप्राय आगे बढ़ने की प्रबल इच्छा से है और यह इच्छा तब अधिक बलवती हो जाती है, जब राह में बाधाएँ अधिकाधिक हो। (सम्बन्धित भाव वाले उत्तर स्वीकार्य)	1+1	2	–
4.	जवानी उत्साह व आशा से परिपूर्ण होती है। (भाव वाले उत्तर स्वीकार्य)	–	2	–
5.	(क) (i) मौखिक (ii) लिखित (ख) भाषा को शुद्ध लिखने व बोलने सम्बंधी जानकारी देने वाले शास्त्र को व्याकरण कहते है।	1+1	2	2
6.	(क) सुन्दर– गुणवाचक, खिलौना विशेष्य का विशेषण (ख) भाग्यशाली– गुण वाचक विशेषण पु. एकवचन एवं रवि	1+1	2	37
7.	अमिधा शब्द शक्ति में किसी शब्द के सबसे साधारण, लोक प्रचलित अथवा मुख्य अर्थ का बोध होता है जबकि लक्षणा शब्द शक्ति में किसी शब्द के मुख्यार्थ में बाधा होने पर अन्य अर्थ किसी लक्षण पर अथवा रुढ़ अर्थ पर आधारित होता है।(सम्बन्धित उत्तर स्वीकार्य)	–	2	38
8.	जहाँ वास्तविक विरोध न होते हुए भी विरोध का आभास हो वहाँ विरोधाभास अलंकार होता है। (उचित उदाहरण स्वीकार्य)	2+2	4	161
9.	(क) उन्मूलन/समाप्ति (ख) जनगणना		2	–
10.	उचित प्रारूप में लिखा गया पत्र स्वीकार्य।	½+1+½	2	170
11.	सम्बन्धित विषय पर सारगर्भित निबंध स्वीकार्य।	–	4	–
12.	पाठ्यपुस्तक – सृजन अध्याय – संतवाणी कवि – कबीर सज्जन व्यक्ति की महिमा से सम्बन्धित उत्तर स्वीकार्य अथवा पाठ्यपुस्तक – सृजन अध्याय – कविता के बहाने, बात सीधी थी पर कवि – कुँवर नारायण पंक्तियाँ भाषा की सहजता पर बल देती है। ज्यादा घुमावदार भाषा के चक्कर में कभी–कभी सीधी बात भी उलझ कर अग्राहय बन जाती है। (सम्बन्धित व्याख्या स्वीकार्य)	1+3 1+3	4 4	2 29
13.	पाठ्यपुस्तक – सृजन अध्याय – भय लेखक – आचार्य रामचंद्र शुक्ल (सम्बन्धित व्याख्या स्वीकार्य) अथवा पाठ्यपुस्तक – सृजन अध्याय – बाजार दर्शन लेखक – जैनेन्द्र (सम्बन्धित व्याख्या स्वीकार्य)	1+3 1+3	4 4	36 44
14.	किसान के जीवन की समस्याओं को दर्शाने वाले उत्तर स्वीकार्य अथवा	–	4	49

उत्तर तालिका – हिन्दी

	पर्वतीय क्षेत्रों का सौन्दर्यपरक वर्णन वाले उत्तर स्वीकार्य		4	70
15.	प्रस्तुत कविता ऊषा भोर के समय होने वाले सूर्योदय का अनूठा शब्द चित्र है। सूर्योदय के दृश्यों को मनोहारी घरेलू बिम्बों में बदलकर कवि ने प्रभावी ढ़ंग से प्रस्तुत किया है। अथवा 'मेरा नया बचपन' कविता में जीवन की बाल्यावस्था को जिस सादगी और भाव प्रवणता के साथ सुभ्रदाकुमारी चौहान ने ढाला, वह उनकी विशिष्ट उपलब्धि है। अपनी बेटी के साथ लेखिका का खोया हुआ बचपन पुनः लौट आता है।	–	4 4	21 33
16.	अनन्यता, एकनिष्ठ भक्ति, विरह वेदना, सगुण के पक्षधर, ब्रजभाषा आदि	–	3	7
17.	श्रीकृष्ण के सौंदर्य वर्णन में असफल होने के कारण	–	3	15
18.	विरोधी पक्ष के नेता को सरकारी खजाने से वेतन, सेक्रेटरी, सांकेतिक लेखक, दूसरे कर्मचारी व लोकसभा भवन में पृथक कमरा आदि सुविधाएँ।	-	3	58
19.	मेरा अपने प्रति यह अधिकार हैं कि मैं हार जाऊँ, थक जाऊँ, गिर भी पड़ूँ और भूलूँ–भटकूँ भी परन्तु इन सबसे निराश न होऊँ।	–	3	95
20	मधुशाला, मधुबाला, मधुकलश, निशा निमंत्रण आदि में से कोई दो नाम स्वीकार्य।	–	1	24
21.	जयशंकर प्रसाद	–	1	86
22.	कवि 'भूषण' अथवा उपेन्द्रनाथ 'अश्क' का उचित परिचय स्वीकार्य	–	2	18/71
23.	(क) आदर्श पत्नी, वात्सल्यमयी माँ आदि (ख) चरित्र का निर्माण करना, ईश्वर का ज्ञान पाना, आत्म ज्ञान प्राप्त करना। (ग) गौरा को बचाने हेतु लखनऊ, कानपुर और स्थानीय पशु विशेषज्ञों को बुलाया। इन्जेक्शन आदि से उपचार कराया। (घ) पाठ्य अंतर्गत आए घटनाक्रम में से कोई एक घटना स्वीकार्य	–	2 2 2 2	10 17 26 49
24.	उचित भाव के उत्तर स्वीकार्य	–	6	106
25.	रेडियो हेतु समाचार लेखन में भाषा सरल, वाक्य छोटे, बहुप्रचलित शब्दों का प्रयोग आदि।	–	2	42
26.	किसी भी घटना या प्रकरण पर समाचार पत्र की टिप्पणी या विचार।	–	2	52
27.	(1) विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं या नौकरियों हेतु (2) रेडियो, टीवी, समाचार पत्र हेतु	–	2	59
28.	रिपोर्ट साहित्यिक विधा नहीं है, रिर्पोताज है। रिपोर्ट– यथास्थिति का वर्णन रिर्पोताज– कलात्मकता के साथ वर्णन आदि उत्तर स्वीकार्य	-	3	74
29.	खेल पत्रकारिता से सम्बन्धित उत्तर स्वीकार्य	-	3	67